impact
www.impactmeasurement.co.in

Date : 01-Aug-2009 Edition : National Page No.: 119 Page Name: n.a. Size: 459.47 sq. cm

Sector: Pharma Healthcare and Biotech Circulation: 311658 AVE: Rs.76730.87 Frequency: Monthly

Publication: Griha Shobha Title: Before marriage black Shadow of Sexual relationships

गृहशोभा

विवाहपूर्व यौन संबंधों की काली छाया

महज मौजमस्ती या भावुकता में विवाहपूर्व बने यौनसंबंध आप की वैवाहिक जीवन में जहर घोलने का काम करते हैं. दांपत्य बिखराव के साथसाथ शारीरिक बीमारियों से भी दोचार होना पड़ता है.

कुछ समय पूर्व तक युवाओं को शादी से पूर्व शारीरिक संबंध कायम न करने हेतु आगाह सिर्फ इसलिए नहीं किया जाता था कि शादी के बाद इन की वजह से उन्हें पीड़ा भुगतनी पड़ेगी या फिर शादी टूटने का भय रहेगा बल्कि इसे भारतीय संस्कृति के खिलाफ भी माना जाता था. पर आज स्थिति इस से बिलकुल भिन्न है.

चूंकि अब यह बात आम हो गई है, इसलिए अब न तो संस्कृति की दुहाई दी जाती है, न ही शादी के बाद होने वाली पीड़ा का किसी को भय होता है. आज डर है तो इस से जुड़ी शारीरिक व मानसिक परेशानियों का.

आज के युग में युवकयुवतियों के बीच फ्रेंडशिप तो आम है ही, जिसे अधिकांश पेरेंट्स स्वीकार भी कर लेते हैं. पेरेंट्स का एक वर्ग ऐसा भी है, जो यह भी मानता है कि उन के बच्चे कभी भी अपनी सीमा पार कर सकते हैं, इसलिए वे उन्हें इस से होने वाली शारीरिक बीमारियों के बारे में पहले ही जानकारी देना जरूरी समझते हैं. पर जो पेरेंट्स खुद ही यह नहीं जानते कि उन के बच्चों को यौन संबंधों के कारण क्या परेशानियां पेश आ सकती हैं, वे सदैव उन के भविष्य के प्रति चिंतित रहने के सिवा कुछ नहीं कर पाते.

वैसे तो आजकल युवा स्वयं भी काफी सचेत हैं. लेकिन यह सजगता सिर्फ यहीं तक सीमित है कि शादी के बाद उन के पार्टनर को यह पता न चले कि वे शादी से पहले यौन संबंधों में इन्वाल्व रह चुके हैं.

आप कोई भी हिंदी या अंगरेजी पत्रिका उठा कर देख लीजिए, उस में व्यक्तिगत कालम में आप को ऐसे ढेरों सवाल मिल जाएंगे, जिन में युवतियां पूछती हैं कि उन का कौमार्य भंग होने का पता उस के पति को तो नहीं चलेगा. यही नहीं, कई युवतियां तो अपने जननांगों का आपरेशन तक करा डालती हैं ताकि वे पहले जैसे रूप में आ जाएं.

युवकों को शादी के बाद परफारमेंस की

© Griha Shobha

impact
www.impactmeasurement.co.in

Date : 01-Aug-2009 Edition : National Page No.: 120 Page Name: n.a. Size: 475.51 sq. cm

Sector: Pharma Healthcare and Biotech Circulation: 311658 AVE: Rs.79410.75 Frequency: Monthly

Publication: Griha Shobha Title: Before marriage black Shadow of Sexual relationships

गृहशोभा

चिंता होती है. पर इस ओर किसी का भी ध्यान नहीं जाता कि उन्हें शारीरिक व मानसिक प्रौब्लम्स से भी जूझना पड़ सकता है.

शारीरिक समस्याएं

अधिकांश युवाओं को एड्स के बारे में आधीअधूरी जानकारी है. पर उन्हें इस का आभास तक नहीं है कि विवाहपूर्व यौन संबंध उन के लिए और क्याक्या समस्याएं पैदा कर सकते हैं.

मैक्स अस्पताल के चर्म एवं गुप्त रोग विशेषज्ञ डा. विनय सिंह के अनुसार, युवकयुवतियों को निम्न समस्याएं हो सकती हैं :

- अगर विवाहपूर्व कई लोगों के साथ संबंध कायम हो जाएं तो शादी के बाद जीवनसाथी से संतुष्टि प्राप्त नहीं होगी, क्योंकि बहुत से लोगों के साथ एंज्वाय करने की आदत हो जाती है. इसलिए एक ही पार्टनर से बहुत जल्द बोर होने की भावना हो जाएगी, जो वैवाहिक जीवन के लिए बहुत खतरनाक सिद्ध हो सकता है.
- कई घातक बीमारियां जैसे सिफलिस, गनोरिया, हरपीज आदि हो सकती हैं, जिन से बाद में पार्टनर भी प्रभावित हो सकता है.
- युवतियों को ये बीमारियां होने के कारण गर्भधारण की संभावना काफी कम हो जाती है. गर्भ ठहर भी जाता है तो बारबार गर्भपात भी हो सकता है.
- गर्भस्थ शिशु को भी खतरा हो सकता है. उस का विकास भलीभांति नहीं हो पाता. उस के हाथपैर पूरी तरह से विकसित नहीं होते और उस का दिमाग भी अविकसित होता है यानी वह मंदबुद्धि बच्चों की श्रेणी में आता है. साथ ही उस के तालू, दिल व नाक की हड्डी में भी छेद हो सकता है.
- युवतियों को इस से गर्भाशय का कैंसर भी हो सकता है.

मानसिक समस्याएं

मैक्स इंस्टीट्यूट आफ अलाइड मेडिकल सर्विसेज के कंसल्टेंट मनोचिकित्सक डा. समीर पारिख का मानना है कि विवाहपूर्व यौन संबंध व्यक्ति की सोच पर काफी असर डालते हैं. वैसे यह इस बात पर निर्भर करता है कि पूर्व पार्टनर के साथ आप का भावनात्मक रिश्ता कितना मजबूत था. यदि उस के साथ आप का गहरा जुड़ाव था तो जीवनसाथी से वह रिश्ता कायम होना काफी कठिन है.

अपोलो अस्पताल के वरिष्ठ मनोचिकित्सक डा. संदीप वोहरा के मुताबिक, "इस तरह के केसेज में अकसर युवा बिस्तर पर जीवनसाथी की तुलना अपने पूर्व पार्टनर से करने लगते हैं. उन के चेतन या अवचेतन मन में कहीं न कहीं वही पुरानी बातें उमड़ती रहती हैं, जिस वजह से वे अपने जीवनसाथी के साथ पूरे मन से संबंधों में इन्वाल्व नहीं हो पाते और उन के वैवाहिक संबंधों में शुरू से ही खटास उत्पन्न हो जाती है.

"इस के अलावा यह भी माने रखता है कि उन्होंने विवाहपूर्व संबंध सिर्फ इस के अनुभव हेतु बनाए थे या किसी और विचार से. यदि पहले का अनुभव अच्छा नहीं रहता तो शारीरिक संबंधों के प्रति मन में एक नेगेटिव छाप रह जाती है, जो शादी के बाद सदैव उन्हें परेशान किए रहती है. अगर अनुभव सुखद रहा हो तो भी शादी के पश्चात जीवनसाथी से भी उसी एंज्वायमेंट व संतुष्टि की उम्मीद की जाती है. यदि ऐसा नहीं हो पाता है तो व्यक्ति का मन जीवनसाथी से विमुख होने लगता है. यही नहीं. कुछ युवा इस गिल्ट से बाहर नहीं निकल पाते और उन्हें कई मानसिक परेशानियां जैसे अवसाद, तनाव, चिंता घेर लेती हैं."

क्या करें

डा. वोहरा का मानना है कि ऐसी स्थिति में पुरानी बातें भूल कर व्यक्ति को नए सिरे से जीवन शुरू करना चाहिए. मन में किसी प्रकार का संशय या भय हो तो अपने दोस्त/सहेली से शेयर करें. ऐसा नहीं कर पाते हैं तो मन ही मन घुटते रहने के बजाय किसी योग्य मनोचिकित्सक की सलाह लें.

क्या आप में साहस है

अब युवाओं के लिए यह समझ लेना बेहद आवश्यक है कि विवाहपूर्व यौन संबंध एक नौर्मल इशू नहीं, इस के साथ बहुत सी बीमारियां व परेशानियां जुड़ी हैं, जो शादी के बाद सिर्फ आप को ही नहीं, आप के निर्दोष पार्टनर को भी उम्र भर कचोटती रहेंगी. इसलिए, कोई भी कदम उठाने से पूर्व यह सुनिश्चित कर लें कि क्या आप इन प्रौब्लम्स से जूझने हेतु तैयार हैं? **-भाषणा बांसल गुप्ता** ●

© Griha Shobha NA